VASISHTHA GENESIS SCHOOL, BARDOLI

(Academic Session: 2026-27)

Date: _____ Class: 4 Div: A/C Roll No: _____ Sub: 2L Hindi

Name: _____ Revision Worksheet: No. 4

पाठ – 4. फूलों का नगर

प्रश्न 1. पाठ के आधार पर वाक्य ठीक करके लिखिए :

क. गुरु जी ने कहा- "हिंसा का मार्ग अपनाना और नगर बसाना |"

उत्तर - गुरु जी ने कहा- "अहिंसा का मार्ग अपनाना और सदा प्रकृति की रक्षा करना |"

ख. अमृत ने राजा बनते ही शिकार करना शुरू कर दिया।

उत्तर - अनिरुद्ध ने राजा बनते ही शिकार करना शुरू कर दिया।

ग. अनिरुद्ध के सैनिकों पर साँपों ने धावा बोल दिया।

उत्तर - अनिरुद्ध के सैनिकों पर मधुमक्खियों ने धावा बोल दिया।

प्रश्न 2. प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

क. अमृत और अनिरुद्ध के गुरु जी कौन थे ?

उत्तर - अमृत और अनिरुद्ध के गुरु जी वेदांत थे।

ख. किसने अपने राज्य में पेड़ लगवाए ?

उत्तर - अमृत ने अपने राज्य में पेड़ लगवाए।

ग. गुरु जी की सीख को कौन भूल गया ?

उत्तर -

घ. अनिरुद्ध ने 'फूलों का नगर' किसे कहा ?

उत्तर - अनिरुद्ध ने 'फूलों का नगर' अमृत के नगर को कहा।

प्रश्न 3. प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए :

क. गुरु जी ने दोनों राजकुमारों को क्या सीख दी ?

उत्तर - गुरु जी ने दोनों राजकुमारों को सीख दी कि अहिंसा का मार्ग अपनाना तथा सदा प्रकृति की रक्षा करना।

ख. अनिरुद्ध के राज्य में सूखा क्यों पड़ने लगा ?

उत्तर - अनिरुद्ध ने राजा बनते ही शिकार खेलना शुरू कर दिया। हरे-भरे वृक्ष कटवाकर अनेक नगर बसाए। उसके राज्य में गिने-चुने पेड़ ही बाकी रह गए, इस वजह से पर्यावरण असंतुलित हो गया और सूखा पड़ने लगा।

ग. अमृत ने दुश्मनों को भगाने के लिए क्या योजना बनाई ?
उत्तर - अमृत ने दुश्मनों को भगाने के लिए उन पर मधुमक्खियों से हमला करवाने की योजना बनाई।

घ. कहानी का सार अपने शब्दों में लिखिए।
उत्तर - इस कहानी में पेड़-पौधों का महत्व बताया गया है। गुरु वेदांत के गुरुकुल में अनिरुद्ध और अमृत नाम के दो राजकुमार शिक्षा प्राप्त करने आए। शिक्षा पूरी करने पर गुरु जी ने अहिंसा का मार्ग अपनाने और प्रकृति की रक्षा करने की सीख दी। अनिरुद्ध ने राजा बनते ही पेड़ कटवाकर नगर बसाए जबकि अमृत ने अपने राज्य में शिकार पर रोक लगा दी और खूब पेड़ लगवाए। राजा अनिरुद्ध के राज्य में अकाल पड़ गया। एक दिन उसने राजा अमृत के राज्य पर हमला कर दिया। राजा अमृत का राज्य फूलों से लदा था। अनिरुद्ध उसकी सुंदरता देखते ही रह गया। इधर राजा अमृत ने अपनी सूझ-बूझ से बिना युद्ध किए ही अमृत को हरा दिया। फिर घायल अनिरुद्ध के साथ मित्रवत व्यवहार किया। राजा अनिरुद्ध को अपनी गलती का अहसास हुआ और उसने राजा अमृत से वादा किया कि वह भी अपने राज्य को 'फूलों का नगर' बनाएगा।

ङ . "मैंने हमेशा गुरु जी की सीख पर अमल किया है।" इस कथन से अमृत के चरित्र की किस विशेषता का पता चलता है?
उत्तर - इस कथन से पता चलता है कि वह आज्ञाकारी शिष्य है। वह दूरदर्शी और बुद्धिमान है जो गुरु जी की सीख के फायदे को समझ सका |

प्रश्न 3. वाक्यों में आए विशेषण शब्दों को रेखांकित कीजिए :

क. अनिरुद्ध **ने हरे-भरे** वृक्षों को कटवा दिया।

ख. फूलों पर **रंग-बिरंगी** तितलियाँ मँडराती थीं।

ग. महामंत्री ने **विनम्र** शब्दों में कहा।

घ. राज्य की सीमा में **हजारों** सैनिकों ने प्रवेश किया।

ङ. दोनों राजकुमारों ने सहर्ष हामी भर दी और **अपने – अपने** राज्य की और चल पड़े |